विद्यालङ्कार (B.A. SANSKRIT HONS.) संस्कृत विषय के लिये CBCS आधृत विस्तृत पाठ्यक्रम
विद्यालङ्कार [B.A.(Hons.) Sanskrit]
विषयसम्बद्ध वैकल्पिक पत्र हेतु संस्कृतविषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- षष्ठ Semester –VI

विषयसम्बद्ध वैकल्पिक पत्र **संस्कृतभाषाशास्त्र** **पूर्णाङ्क -100**

(DSE- Paper)

सत्रान्त परीक्षा -70

Paper Code HSA-E611

आन्तरिक परीक्षा-30

सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम (Course)
खण्ड- क (Section- A) संस्कृतभाषाशास्त्र

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

यह पाठ्यक्रम छात्र को संस्कृतभाषा का भाषाविज्ञान की दृष्टि से क्या महत्त्व है? इसका परिज्ञान करवाता है। विभिन्न भाषाओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय भी यह देता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस के अध्ययन से छात्र भाषाशास्त्र में गहन चिन्तन की प्रवृत्ति से संवलित होगा।
2. भाषाओं का आपसी तालमेल है, एक दूसरे से सब परिवार की तरह जुड़ी हैं - इसकी समझ विकसित होगी और भाषाजन्य आपसी विद्वेष से भी छुटकारा प्राप्त होगा।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

संस्कृतभाषाशास्त्र

घटक-क (Unit-1) भाषा का स्वरूप, परिभाषा, भाषा की विविधताएँ, भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषाविज्ञान के मुख्य अंग एवं उपादेयता।

घटक-ख (Unit-2) संस्कृत की दृष्टि से ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान का समन्वय अवबोध।

घटक-ग (Unit-३) संस्कृत एवं भारोपीय भाषापरिवार।

घटक-घ (Unit-४) संस्कृत एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास का सामान्य परिचय।

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच समालोचनात्मक /व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे। अंक 05x6= 30

खण्ड ग के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक /व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें। अंक 04x10= 40

टिप्पणी खण्ड ख में से दो प्रश्नों तथा ग में से एक प्रश्न का उत्तर **संस्कृत** में करना अनिवार्य होगा।

अनुशंसित ग्रन्थ (Suggested Books/Readings)

1. तिवारी, भोलानाथ , तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1974.
2. तिवारी, भोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1992.
3. द्विवेदी, कपिलदेव, भाषाविज्ञान एव भाषाशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001.
4. शर्मा, देवेन्द्रनाथ, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2014
5. व्यास, भोलाशंकर, संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, चौखम्बा विद्याभवन, 1957.

1. Burrow,T.,SanskritLanguage(alsotrans.intoHindibyBholashankarVyas) , ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi,1991.
2. Crystal,David,TheCambridgeEncyclopediaofLanguage,Cambridge,1997.
   Ghosh, B.K., Linguistic Introduction to Sanskrit, Sanskrit Pustak Bhandar,Calcutta,1977.
4. Gune, P.D., Introduction to Comparative Philology, Chaukhamba Sanskrit Pratisthan, Delhi,2005.
5. Jesperson,Otto,Language:ItsNature,DevelopmentandOrigin,GeorgeAllen & Unwin, London,1954.
6. Murti, M., An Introduction to Sanskrit Linguistics, D.K. Srimannarayana, Publication, Delhi,1984.
7. Taraporewala,ElementsoftheScienceofLanguage,CalcuttaUniversityPress, Calcutta,1962.
8. Verma, S.K., Modern Linguistics, Oxford University Press,Delhi,
   Woolner,A.C.,IntroductiontoPrakrit,BhartiyaVidyaPrakashan,Varanasi.